NOTES FOR B.A.-II (HISTORY) HONOURS, 2020.

NOTES PREPARED BY →

DR. MANITA KUMARI YADAV
ASSISTANT PROFESSOR
DEPARTMENT OF HISTORY
VAISHALI MAHILA COLLEGE
HAJIPUR, BIHAR UNIVERSITY
MUZAFFARPUR.

Scanned with CamScanner

अकबर के महान् होने का कारण →

- स्वभाव से साम्राज्यवादी होने के कारण अकबर अपने सैनिक अभियानों एवं आक्रमक युद्ध को राजनीतिक दर्शन प्रदान किया।
- देश में राजनीतिक एकीकरण तथा एक समरूप प्र शनिक व्यवस्था के अंतर्गत एक शक्तिशाली केन्द्री सरकार का गठन किया।
- खुन से विदेशी होने के बावजूद भारतीय परिवे प्रस्तुत किया।
- एक देश एक सरकार एवं एक प्रजा की सिद्धांत प्र प्रस्तुत किया।
- मध्यकालीन भारतीय इतिहास में पहली बार क्षेत्रीय

Scanned with CamScanner

प्रजातीयवाद एवं धार्मिक विचारों को पहली बार तुषारापात किया।
— प्रजा को पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान की तथा बिना भेदभाव सबके लिए राजकीय सेवा का दरवाजा खोल दिया।
— हिन्दू एवं मुस्लिम को एक धारा में जोड़ने का प्रयास किया।

महत्वपूर्ण तथ्य →

— अहमद यादगार ने अकबर को इस्लाम का शत्रु कहा है।
— राल्फ फिंच ने आगरा तथा फतेहपुरसीकरी दोनों को लंदन से बड़े कहा है।
— अबुल फजल ने अकबर में चार तत्वों आग, हवा, पानी एवं भूमि का समावेश है।
— प्रशासन के क्षेत्र में नये-नये अन्वेषण किये, जैसे मनसबदारी प्रथा का जन्म अपने आप में अनूठा प्रयोग था।
— कई बार राजतंत्र के इस्लामिक तंत्र की अवहेलना कर स्वंय को देश का निरपेक्ष राष्ट्रीय शासक घोषित किया।
— मुस्लिम उलेमा तथा आदेश का उल्लंघन करके 1564 ई० में जजिया कर समाप्त किया।
— मध्यकालीन भारतीय इतिहास में आधुनिक स्रुषों का जन्म तथा प्रांतीय प्रशासन का जन्म अकबर के द्वारा ही किया गया।
— अकबर ने मनसबदारी व्यवस्था से संपूर्ण राज्य में गति लाने का प्रयास किया।
— आइना-ए-दहसाला के अंतर्गत अकबर ने रैयतवाड़ी व्यवस्था को जन्म दिया।
— पहली बार सती प्रथा, शिशु हत्या तथा बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाया। साम्राज्य की सामाजिक एकता के लिए सर्वाधिक योगदान दिया तथा राजकीय और नागरिक सेवाओं में नियुक्ति की।
. एक सामान्य भाषा फारसी को जन्म दिया।

Scanned with CamScanner

— पहली बार अनुवाद विभाग का गठन करके प्राचीन भारत के उन पुस्तकों का अनुवाद कराया जो भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के धरोहर थे।

— सभी भाषा एवं धार्मिक समुदाय के विद्वानों को राजकीय संरक्षण प्रदान किया।

— हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में जबर्दस्त पुर्नजागरण लाया। तुलसीदास अकबर के ही समकालीन थे।

— कला एवं स्थापत्य के क्षेत्र में पहली बार भारतीय एवं ईरानी शैली का जबर्दस्त मिश्रण प्रारंभ किया।

— संपूर्ण साम्राज्य में शांति एवं समृद्धि लायी तथा अनेक नये-नये शहरों को जन्म दिया, जिसके कारणवश गाँव से लोग शहरों में जाकर बसने लगे, जिससे शहरीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई।

— चित्रकला यद्यपि इस्लाम विरोधी था इसके बावजूद अकबर ने चित्रकला को भरपूर आश्रय दिया।

Scanned with CamScanner